



आमि भक्तवार्ध

५५१

२८।५०

७।३

लिपि व मूधारिका

आर्य समाज

५४१

ASNA ARCHIVES

कृवे रमान

सं

नामसंगिटि

सरसा

श्री कृतिमान १

दिज्यमान

खन १९२०

१६ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ वदध्वनीमा नृद्वद्वदमवाय ॥ १ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल
 ध्रुवशा ॥ ~~मन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र~~ ॥ २ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल
 वनवदसत्तुदय ॥ ३ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल
 विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल ॥ ४ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल
 विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल ॥ ५ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल

१७ अथ वदध्वनीमा नृद्वद्वदमवाय ॥ १ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल
 विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल ॥ २ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल
 विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल ॥ ३ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल
 विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल ॥ ४ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल
 विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल ॥ ५ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल

स्वे वल्लभे वदयासि कि। इदं नू दमकं वीने वीनवी रुम्भयि कि॥ ०॥ वदयासि त्वय मूखन अनक वद
 यासि गलन इन्द्रादि नं ऊय नयै वा
 दि कवठ गत्र्यै धै र्थि यवदयासि॥ ३॥ उ
 हा कत्रु सा ऊ गद थै क वः य वः॥ ०॥ थ व
 या ह था ह थ वदया कि वलन समरु विद्व गलन सयलिय मन्त्रा वलन या ड या यन ऊ य नय मदा कत्रु साः

न सीयं न श व ऊ गल सा न या कृ नार्थ या क मदा कत्रु सा वत्र थै र्थि यवद सत्वध क शा कृ मनिं जा ह दय क व
 ॥ ४॥ इन्द्रादि नं ऊय नयै वा
 विरे या आन द या ह उग्र मान श व म
 नयै विज्ञा क क वलन सीयं न श व स
 य स मना थ सी वद रु ग व नू न था ग नः क नी जलिय टा रु त्वा इन्द्रादि नं ऊय नयै वा ॥ ०॥ स वद धाय रु

गवन्मन्त्रमनिगतगन्तव्यं धर्मद्वयं लोकावर्त्यं नमस्कारयादाववदयानिआदिन समस्तसकाला कनं धिनाययार्गं मन्त्रमनियार्क॥ ८ आजा लरि र्मवाधि यथा ला सीरवा न अयनि स्रुडयका वनिमिहिनन अ निशानन न ह्वायादा आलादयकं य सन दयमावधकं वदयानिं रुगवन्मन्त्री मन्त्रमनियार्क यि	६॥ मन्त्रिथायममार्थाय जनकं यायमविशामा माह॥ ॥ शरुगवान् अयनि स हिनायनिमिहिन यनि सव दययादा न धमायाजाल मनुयास्र अय ३
---	--

नाययादा॥ १॥ अहानयक मन्त्रीनी कृष्णाकलत्रसादिनाया सवे सत्वानी मनले वदलायय॥ ०॥ शरुगवान् अहाननकाकदान र्यकवास यादथाठ समस्त सत्व सा लाकयादिन नवायनिमिहिन लास्यिसनदयमा यकासयनु र्मवद्वारुगवान् म्मा ऊजगदुव शमहासमयनलरु ह्वायासयवित्यवश॥ ०॥ शरुगवान्	वायदादथाठ लाक समस्त अ नकड ४४ वनया कल डयका वयानिमिहिन जनले वहान सहजानद्वयारु वधकं वदयानिन मन्त्रमनियार्क यिनाययादा॥ ८॥
--	--

धर्माया ज्ञानकृत्याय यथाशमानया यमात्र गथियवृत्तयावधारसामहाननीवत्तु समस्तार्कं कवम
 कव धर्मोऽधर्मो नित्यवर्तनीविका
 ध्यायाज्ञानध्यायकृत्युक्त्याज्ञानसव
 क वदयासिधाय ॥ २ ॥ रुगवानज्ञा
 ज्ञानमूर्तिव्यवृत्तव ॥ ० ॥ रुगवानज्ञा कृमिनि गथियज्ञानगतीव वदमभुलयाचामि समस्तार्कं
 क समस्तसंसारयागुव महायानिकियाया समय
 रुवगथियवृत्तयामनवदिया कावचवृत्तयावध ४
 नकायस्य महास्त्रीयस्यगीयन मंदशीज्ञानसवस्य
 ज्ञानमूर्तिव्यवृत्तव ॥ ० ॥ रुगवानज्ञा कृमिनि गथियज्ञानगतीव वदमभुलयाचामि समस्तार्कं

यावृत्तवर्मस्त्रीध्यायधर्मोचामि ज्ञानमूर्तिव्याहविकाक (थास्थावसव्यरुयाव आहदयकं यम
 नदयमात्रधका वदयासिधाय ॥ २ ॥
 मध्यानुकल्याणी नामसंगीतिमूर्तिमा
 अर्थगीरुव अथाह अनन्यमात्रव
 र्थसमस्तवत्तमाकगतिमाक समस्तार्कं यासिंदरुम (थासावृत्तवत्तमाव वदवत्तवृत्तमद गथिनधा
 ॥ ० ॥ रुगवानज्ञा कृमिनि गथियज्ञानगतीव वदमभुलयाचामि समस्तार्कं
 यायमजीव महाडरुमज्ञानकथाय महाज्ञानयाय

वसा आदि स मधुसूत अन्नस मंगलन सयन दव नाम सगी निधा या ग म म हा ड ले म क थान स य न द व
 धर्धिय नाम सगी नि ॥ ११ ॥ या नि के रा यि ना व द्दे रा यि अ न्न ना ग ना ॥ य त्प त्प ना थ स व द्वा
 ह आ रा व न्न य न य न ॥ ० ॥ ह या व य न थ ग न य नि स्य न ह्ना स्य ता थ स लि व व थि व व द्वा य नि स्य ॥ ३
 न य व थि व आ न द्वा द न आ व द्वा य आ य व द्वा य नि स्य न वा र व व य र य व न व थि थि य ना म
 सगी नि धा या ग म ॥ १२ ॥ मा या जाल म द्वा न नु या वा सि स य गी य न । म हा व द्वा ध व द्वा य व म थि म नु धा

विरिष्ठा ॥ ० ॥ ग र्धिय नाम सगी नि धा व सा मा या जाल न नु स यि का र्थि क या ग म (था नाम सगी नि य का ज या
 हा । न डान ड व द्वा य य नि स्य न आ न द्वा द न या न त्प त्प नु थ (था नाम सगी नि ॥ १३ ॥ अ र्द
 थि धा व थि यामि नि स्य न व द्वा स य य थ र ग वान् म र्द ना र्थ स व स व द्वा गु द्वा धु क ॥ ० ॥
 श र ग वान् म र्द ना र्थ (था नाम सगी नि धा या सा नु ऊ न ध व य थि वि ले न द्वा द (था ग म
 इ का ध व य थान ह व ह व या व द्वा य नि स्य न व द्वा य य नि स्य न ध व य थि (था ऊ न ध व य थि ० या य

समस्तज्ञानकथासंगुक्तान्नवधनवर्धनविद्याकथकथाया उडाउनधनवधधक (आकरीणाक्रमनिसा
 कथिनाययादासवदयार्ति॥५॥
 कृष्णनासाय अण्वयज्ञानदानया॥०
 यायउनमगियावलर्थ अनकद४०
 मायकथार्त यक्षानियाया॥५॥ नवमध्यायगुह्यदा वदयासिगथागर्त कृणाज्जलियदाहता य

कथायस्त्रिंशत्तमः॥०॥ (आकरीणाक्रमनिसक यार्थनायादा
 गार्थयार्थनास्याकधवसादाउन
 न॥॥०॥ अथयज्ञागाथायाद
 धगाक्रमनिरुगवान् सीवक्षादियदा
 थानन्नवधर्तरीणीणाक्रमनिसान वदयासिकदासव गार्थिगसाक्रमनिधवसा सम्यक्त्वे वदकथागकथ

दिग्यायनिमिहिन मरुथागकथाश्च नृनठना नृमदाषक वजावन्नखवधका श्रीकृष्णिंशाहाविवा ॥
 ४॥ मरुथागनामसंगीति यविनामघो नागनी । मंजुशीलानकायस्य मनुष्या नृसमूहक ॥ ५॥
 ३ हवदयासि गार्थिगुनामसंगीति सम सै यविनायक मंजुशीलायाहानग्रीव ध्यामनुठ
 नृथागयागचुन ॥ ७॥ कत्ताधदश यासक अर्द्धकगुयकाधियशश्च नृत्वमकायमनाहता
 धरुगवानिनि ॥ ८॥ शवदयासि जिवचुनखठडागुपीजनकनद्रया नृनप्रकमननठठाना निश्चयन

कनद्रया वदयासि नृनठडा ॥ ९॥ यकिवचनगाथावद ॥ १०॥ वचनगाथायाकयय ॥ ११॥ अथश्रीकृष्णिंशाहाविवा
 गवानसकप्रमनुकलमरुका मनुवि आधेनकलं ब्रवलाककलंय ॥ १२॥ धनलिवदयासि
 त्वं श्रीकृष्णिंशाहा यगुलिकलयव मकल वदमाग्रेखंआदधीविं अनेककाठिनियकग
 कसदममनुजायत्रयथाय मंजुशीलं दया मनुविआधवययंयंयवाधिसर्वधस्यावदने वा
 वलाकीधायथाययाकल मंजुशील ॥ १३॥ लाकलाकारुवकलं लाकालाककलंमरुका मरुमदाकलवागी

महाश्रीयेकलंमदु॥ ०॥ लाकारुवधर्मो लाकर्मसावथाकनानगुवीकलधध्यावद्वर्षे खनदकयुधिविल
 मलिदवजादिनंजासाकधाय वाधि
 मदाजादियाअगडरुमकलधध्याव
 लावलाकनगाथाध॥ ०॥ आयगुवी
 कामदयादयं अनत्याधमिनीगाथा लावभमगिवायन॥ ०॥ आवलायाखयगुठिकलंकलद्वर्षे सम

रुमनुयावाजाश्वर्षे अदययवमार्थे नकाकावधुनागा अनत्याधमिनीगाथाधाय अनकधमोन
 संयनयाठथाठगाथा सवेरुनथाग
 लीडडुनेडोडोर्जजुसिनादधि
 द्वादशोदधयायवमाक्षर रुदयम
 यव वृद्धमागेलिखयाययासतयाड ॥ १ ॥ उवजनीमुदःखदयलाज्ञानमलेय।ज्ञानकायवागीधयज

७७

सर्वे वास्तव्यस्तथाय समस्तवचनलावज नयावचनकजस्तव्यसिद्धिवचनयाकथार्थिर्मदशी
॥ १ ॥ महामदमदावाग सर्वे सत्ववर्गि
मदशीधारावा अकिमवकज सुन
क्षेत्रविष्ठाक अकिमवधरु नर्वरी
महामदमदाभाद मद्धीभादमदव महामदमदाकाध मदाकाधविषमदान् ॥ ० ॥ गार्थिर्मदशी सर्वे

७७

भादमद कानडयदगविव कवकजवक अहानीमया अहानभावक र्हेनं गार्थिर्म अकिमवकाध निगव
यादभावक कवकाधियागवयासि
यादधीभावक कवकाधियागवमन
हमदावारु सर्वे सारुनिसुद्वव ॥ महा
हमदावारु संयुक्तयादलोकया समस्तलारुभावक र्हेनं गार्थिर्म समस्तकामनारुलविषरुव महामद

ॐ
द्वि

स्वप्नानविवरुन्महादयानसंज्ञक अत्यन्तः ॥ रायमानरुव थथिंमंरुशी ॥ ५ ॥ महाब्रुधामहाकाथा
महावल्मोमहावयः ॥ महानामामहादा
धिविच युथिनमहद्वय रुन्मथिंम
रुदवमनयानं नामकास्यरुव महाव
महाकाशक ॥ गनी ॥ महायशोमहाकिरि महाधामिमहाद्यकि ॥ ॥ रुवधदशानुधववयंविज्ञाक गत्

थिंमंरुशीमहावसा महानानशानुधववयंविज्ञाक रुन्मथिंमधवसा महानरुदश्चयासावगावनयाय
यागमहाजंकसधववयंथाद रुवजस
रावधर थथिंमंरुशी ॥ ॥ महामाय
महामायावृजालिक ॥ ॥ गथिंमंरुशी
महद्विक विवांमहायधिरु रुन्मथिंममहायथेड रुमयदवियरुव रुन्मधसंसावयामायास रुन्मजाल

अ
ह

दयकां नानावकावसन्नविज्ञाक ॥ ८ ॥ महादानयगित्यसू महाशीवधत्तायसी । महाज्ञानिधवाधीना
महावीर्ययवाकमहा ॥ अनकदानम
वयावनिजावयोधववयू महाविद्ये
वन् धर्धियमंरुशी ॥ ९ ॥ महाध्यानम
सिधिरानसागरव ॥ १० ॥ गर्थियमंरुशीधवासा महाध्यान समाधिन सीयनरुप रुचंगर्थियधवासा अनरुप

१३

ज्ञानमवीर्यववयविज्ञाक महावववन् महाडयायसव ज्ञानथा ममु ॥ ११ ॥ महामेगीमथा मथा महा
कावसिकागधी । महायज्ञमहाधीमा
सा समन मनरुवमिरुवडथे महा
हाकवसावाव रुचंगर्थिय यज्ञावन्
यथायव ॥ १२ ॥ महाजिह्ववपीयका महावला महाजवश महाद्विकामरुणा महावलयवाकम ॥

अ
क

॥०॥ महाकवमद्विधन महावगवन्नरुव मयासिनंगवधद महाकजधन समस्तसंसावयास्वामी धर्धि
 यमईश्वरी ॥ महावलमहायवाकमिथा ॥ १२ ॥ महासुखादिसंरुला महावजधवाघनहा
 महाकवमन्नोदा महाकयययक ॥ ० ॥ धर्धियमईश्वरीधवासा सीसावयवेकन्नृत्तया
 वकु वजयाहानधनययविष्ठाक या
 रुयकव समस्तविष्ठागलयाग महाकयविवा ॥ ३ ॥ महाविद्यालुमानाया महामन्त्रालुभायुवशमहा

۷۸

याननयात्रुमहायाननयारुम॥०॥गर्थिद्यमंडीधीधरसा मदाविद्याकय यउद्वीमहाविद्यायास्वामि
 समस्तकथागनया मनुयागुव दर्वम
 मनुविद्याद दनं गर्थिद्यमहायान कि
 महामसुलगाथा यउद्वीमहायान ॥०॥धर्मव
 विभावनावहा महामोनिमहामनिमहामंननयात्रुमहा मनुनयात्रुमहा ॥०॥गर्थिद्यमंडीधीधरसा

अ
ह

ध्यावनमथागमयास्यतावथर्थिगमदाहानिवक्तमोनधर्मयाध्यानयाकमदाकयसिहृन्वगर्थिगमदासनु
दुत्यलिङ्गवथानमन्नाकवसुलि॥१॥द
धुद्धिदशयवमिमानयथा॥गीवयाव
र्थिगुजिगुवियावमिमायाआशयह
कवावदावडात्यलियाकहृन्वदशयावमिमाववयाननीगियविकयाकथर्थिगुर्महशी॥२॥दशरुमी

५३

ध्यानाथादशरुमियनिसिक्तशदशहानविशुद्धात्मादशहानविशुद्धधुक्॥॥गर्थिगुर्महशीयामदिमाजि
गुवीरुमीहानयास्वामीदशरुमिह्य
गवीरुदहृमदाहानविशुद्धयाहधन
विहृजगयविधार्थकयादशकावा
वहयावाजासुयसमरुसीमावदयकावजिगायकावनद्वसमयाकथर्थिगुर्महशीयथाकावमह

३१
न

शीर्ष ॥ ४ ॥ अनादिनिययवात्मा शुद्धात्मा गन्धमात्मकः ॥ रुक्मवादिज्ज्वावादी गन्धमात्मा विज्जनन्नावात्मा ॥ १ ॥
गन्धियमर्द्धशी धमनयादिसमाद्वाद
रुक्मद्वयज्ञानसंयुक्तं रुक्मगन्धि यत्न
कथिवधुर्क गन्धमागन्धमागन्धमा यव
वस्त्रगन्धनवात्मा सिद्धिनिनाद कृतिश्चमृगरीकवशा ॥ १ ॥ गन्धियमर्द्धशी समस्तजिनाजनु या

१६

निनडत्वारि याठावर्त्तमानवदयक यंचरुक्मयात्मा स व्यायवयावयाठ रुक्मसिद्धयार्थियवाकम मरिठनी
थायाकसिद्धमावका ॥ ३ ॥ सर्वेर्णमा
वकावलिमहादेवशा ॥ १ ॥ गन्धियमर्द्धशी
यवग जिनाजिनयावाजा समस्तग
मन्वागन्धवात्मा गन्धियमर्द्धशी सिद्धिनिनाद कृतिश्चमृगरीकवशा ॥ १ ॥ गन्धियमर्द्धशी समस्तजिनाजनु या

ॐ
ॐ

शी समस्तगलयाभाक्त महाआचार्य वदधर्मसिधयाथाकव मनथावसायाक महायशावधव नका
कावयात्मा ॥ ८ ॥ वागीश्वराक्षकिवा
त्यायदशक ॥ ० ॥ गर्थिगर्मिदशी अ
हायनालयाख्यानकाक समस्तवव
गीकनला मुदिता उयाका धयगाया गत्वदशनायादविष्काक ॥ ९ ॥ जवेवलिकाकनामासी स्वप्नय

त्यकनायक शानानिथ्याननियोका महारुमाककावला ॥ ० ॥ चूगाइअष्ट नकासद यत्यदवयो समस्तयाना
यक मीदशीशावक यत्यक महायान
कावला यवरुगमात्यागत्वश ॥ ० ॥ अ
रुययाक शीमिरुकाअनाविवा ॥ ० ॥ अ
यवज्जयवयसमर्थदव धर्थिगर्मिदशी भाक्तयदवाक धयागसमस्तुकर्यममाव ॥ १ ॥ विद्याववसमर्थ

ॐ
३

नमः गंगा लाक विल्य वः निमोमानि वदं का वः सलद्वय नयमिह ॥ ० ॥ गर्थिगर्मदशी धावसा अनकभी मयव
वयः मगनधायामगमयामनमवा
ववनमद अरुकावमद महाकमवक
ल्लिगभकेववाहननियोगः यज्ञमका
थाह वाद्यगुविधा यमवाह अनलवज्ञान ज्ञानिमावक थर्थिगर्मदशी ॥ १३ ॥ सधर्मो धर्मो वा राश्यान्

य लाकयाकावसकायसव सत्यववनदकस भवना
त्वसिवाय ॥ १२ ॥ ससावयावकाटिह ॥ १४ ॥ कृत्यकृत्यसुनी
विदावला ॥ ० ॥ ससावयावयाहवाह यायसाव यवमाथि
॥ १३ ॥ सधर्मो धर्मो वा राश्यान्

लाकालाकः करयवधधर्मोश्चयधर्मोवाजा लथामायेयदशक ॥ ० ॥ डरुमेधर्मोयावाजा महागजवन गर्थि
यधावसा मनश्यामिन्वायावज हाक
व लथामायेयदशकधाय कल्यान
द्वेसीकल्यु सर्वेसीकल्यवजिर्ग शानि
थिसिद्धिवाक मीदशी संकल्ययाकोमदयमरुव नानाविलेयाविकावरी कल्यानगालगव विकल्यमद भा

अधसुवाह थर्थिगयवमश्चवर्त्त समरुधर्मोयाः ॥ १४ ॥ सिद्धाथेमि
माये लकठविज्ञाक थर्थिगर्मदशी ॥ १४ ॥ सिद्धाथेमि
विकल्यकथाधाठ धर्मोधाठयवाद्यय ॥ ० ॥ समरुज

७३

यमद धर्मधातुयाकावधसं (गावलसंभायमद ॥ १७ ॥ यन्त्रवायुमर्माशा हानं हानाकं यमदगु। हानव
सदगहानी मर्मावदयसंरुत ॥ ॥ गधी
महाहानवक हानजायवयथाय खन
यन्त्रमर्मावडा हानरावडा धनगायवि
धियायायमिषयसाधवद्याक वयवमावोदरकायधार्गक ॥ ॥ गाननर्मायमद्व मादयाहान समस

मर्मावयानायक आगदगुमिसयंनरुव गार्थिग्रहनं हाननर्मयंन हानयायथाग्र महावद्वियकागयाक
समसहानानु मयदव गननं वयव
मेकावद्व यं वहानामेकाविशुधयव
द्वद्वद्व दगुवीगवीवधवयय यं वहान
आगकयामकट यक्रवका दगुवीवकाधवयय थार्थिग्रमर्माव ॥ १८ ॥ जनकसर्ववहानां वद्वयकययावयव

धिविधागाव यज्ञा मानामदा अवि॥ १॥ गार्धियमिदं शीघ्रावसा समस्तवद्वधमोयाह वनयाह ज्ञानं सावयं
 द्वि ७ आनय्याकं मित्राधवममस्तदवना ॥ १॥ सवय समस्तसंसावदयक दनं गार्धियमस्तदवमनका
 दिने यज्ञायाह नानंदवयाह नयाह ॥ १॥ कर्तव्यधवामनी मदासमयम २१
 नुधकावतनयधव ॥ १॥ क्रिया नारु ॥ १॥ मदाविद्या कलं आदिनं सगुविकलधवव
 र्धवाह मदासमय क्रियायामनुकलसवय वद्वयादिनं सगुवि भाववतधवी दनं सावक यत्नकमदाया

नयाहयदग डत्यलिम्बान थर्धियमिदं शी॥ १॥ अमाद्यया ॥ विजया वद्वया ॥ मदागद ॥ वजाक ॥
 मदाया ॥ वद्वयवविकवभा ॥ १॥ ग ॥ र्धियमिदं शीघ्रावसा अमाद्यया गतवद्वयाव मदाज
 यज्ञकज्ञव नवगद आदिनं वद्वया ॥ १॥ गनविस्था वधयायरुव वद्वया अक ग सिश्यायकया
 गधववय थर्धियघावमुलिकेववया ॥ १॥ दिनं मदाययविव ॥ १॥ सविशुद्धधमोधाह नान
 गाथा र्धिविजगि ॥ १॥ धननिमवधमोधाहयाव नियहाय ॥ १॥ काधवा र्धिविजगि म १॥ यनका

द्वि
द्वि

वहुजावलि। दद्याक नालक का नद लाद वग मानन ॥ ० ॥ काधया राजा त्वं यथा दद्यात् ययउश्रुतल व
कालादाय मदावलव न वाच्यादा नेव
व थर्थि यमईशी ॥ १ ॥ यमान का विद्य
कामदाद व ॥ ० ॥ कमया राजा या क
वगव न मदायन क वरुध वय ददय सीव क ध वय माया व क सीव क मदाड य न गवर्थ य थर्थि य

क का व मूर्ति ददाद व धाया ग विद्या व न न म रू क इ
राजा वरुव गो रय कल विद्यु वरु वरु वडा पाया व
विद्यया द मदन या य रु व वरु व ग धा य मर्थि य मला

११

मईशी ॥ १ ॥ कलि लघ वरु थानि वरु मला न काय ॥ अ व ले क उ दा का धा ग उ व मो य दा क ध क ॥ ० ॥ वरु यथे
मई ड ल रि म्मान वरु रु द या का गर्थि
कि मिया न्नु गु विन द या डा या य थर्थि
क ॥ अ य रु हा मा म दा हा ॥ वरु हा ॥ मा म
व या द वा द नि मि लि न अ मि रु य क व थर्थि य ग व न द ट ट न द वा व या य थर्थि य मईशी ॥ ४ ॥ वरु स व म

य वृ अन क वरु ध व य गर्थि य मूर्ति न क उ दा या क
मईशी ॥ ३ ॥ दा हा का वा म दा या वा दी दी का वा रु या न
दा व व ॥ ० ॥ गर्थि य मूर्ति दा हा का व ग व न दी दी का व ग

दि
ह

रामत वदवाजामहामुख ॥ वदवद्वामहामादा । वदहं कावहं कृति ॥ ॥ गार्थिग्यमदुगीयावृय वदसर्वम
रामवीवयाह वदयाहृष्ववसदजान
संलय हं कावधायवीजाहवमनु ॥
शिवजी नकवकी वसीजहृष ॥ ॥ गार्थिग्य
ववययाह वृयुविवदन समरुविमिश्रयजयवययाह थर्थिग्यमदुगी ॥ ॥ वदकलाकलालाका वदका

१३

लागिलावदुशवदावला महवध्व जमाका वदवावन ॥ ॥ गार्थिग्यमलिमदुगी वदनाहाननजाहानव वद
वडर्थिग्यकजध्व मिश्रा जग वदसद
कारकन वदलोकाविगद ॥ वदकादि
वशविमलिमदुगी वदर्थिग्यमीवि
डर्थिग्यकज हाक महानव ॥ ॥ वदमालाधवधीमान वदकरवमरुधिन ॥ हाहाटहाध्वनिद्योखा वदधाद्य

दि
क

यउकवशा ॥ नागर्थिमलिध्यावस आरुवशवदमाला वरुवशनआकाथाठविद्याक लालाकावशव
न कलाडायउकवामन मयसंयक
कववामलान आकासधाठययन धा
ठनकुययाय मनादशमव धध्या
कायययनधठगव धधियुगवनसंजकव मीकशीर्व ॥ ॥ आदगलानगाध्यादानसाददग ॥ ॥

व धधियुमिदशी ॥ ॥ मीकधाशामलानाद केलाक
वाधायवगावत ॥ ॥ मीकधाशामलानादधाय डलम १४
वम दवंगर्थियगवधायसा केलाकनगावमिद आ

आरुआदगलानगाध्याकजिय ॥ ॥ अथगाठननेयात्मा रुवकाठिवनकवभधुनगावादिबुयशा गं
रीवादावमजिनशा ॥ नागर्थिययवसध
ठवाठ आरुवससयमजिव शुनगा
यवम धधियुमिदशी ॥ ॥ धमीमिवा
दगदिधमीदवृरिशा ॥ ॥ धमीमिवायागवन समरुवाकया महासंगवदव गर्थियधमीवाजन धमी

आरुवथागकलानन समरुयादिसिदकं अमीवया
वादवय महागकिव थादामद थादकायमजिव
महागवा धमीगलिमहावसधयुयमिदिगनिवासा

द्वि
क

गंधि धनं वन दण्डी गुरु वन यथेन वसवया वचां य दवलाक भाकृत्वा कलाक डय दभ विव धर्धियम
इत्थी ॥ १ ॥ अत्र यावय वाना आ नाना
का ॥ नागर्धिय वयमद आका वंमद स
यावय ग (ध) कया इ प्रय (ध) य संन दय
रुध्वन। समष्टि कार्ये मनेष्टा धर्म कठ मदादय ॥ ० ॥ कठन कन मजीव वहादि विधातु या लूध्वन डलेम

२३

धै धर्म मार्ये स्या सथ दाय विज्ञा हा वचां य धर्धियम इत्थी ॥ ४ ॥ के लोको क क मा रां ग सुविता वृद्ध य जाय नि
दा किं ज व क न ध व का रु के ला क स व
धे स्या व रु नं ग धिं य धा व सा स या सि न
न ता व य य ल क न न सं य न क व के य
क लाना गु ल वा यो ला का रा यो वि भा व द ॥ ना र्थे स्या ता व ला का य श व न ना रु यि वृ ल ज भा ॥ ० ॥ सम रु ला क

दि
५

संभवमद्वहानी समस्तसाध्यागुलयायाचोय समस्तयागुवर्तवेलोकयाधुन समस्तयाकल्यान
याकर्मदुशी धर्मसवलायाकर्ममा
गवधमविद्यायुक्तसंस्तुता सवर्धव
जयागंगवदहानयासागवधायन
धर्मिधर्मदुशी संसायया यैजलधर्मयुगागर्थिधर्मयैजल रथैकवह्लादय ॥ १ ॥ समिनालयसक्तमं संम
क्याकिश्व ॥ ६ ॥ गगलासामसंसाग सवेह्लानसा
नदावला ॥ ० ॥ आकासमयावर्धविज्ञाक समस्तसा २६
मदर्थे जहानहानदाव दज्या नगवर्धमावका
समिनालयसक्तमं संम

मानवयावगगलानासिधकमकट समस्तवह्लवम ॥ ० ॥ गर्थिधर्मदुशी समस्तद्वनिगयसमाव
क संसाययावगगयादभाकवावका
रयलमिथीविज्ञाक ॥ ८ ॥ गिद्वधद्व
आकासमसागक ॥ ० ॥ कायवाक
अनमद्वधकमावका भाकयदवावकाडा थायनायाकर्मदुशी संसायया नलाहमदमकी यदम
धर्मधन्याय जहानडत्यलिद्व मकटनयायाव जहान
वर्धमन्न सानानमक्तिमाकिग ॥ सवोवर्धमनिमक
विलेधमनडत्यलिद्व यायनिमेलयादभावका
अनमद्वधकमावका भाकयदवावकाडा थायनायाकर्मदुशी संसायया नलाहमदमकी यदम

दि
३

दयक साकयलक्षणासाधन ॥ ८ ॥ सर्वकर्ममलाकीना स्याधमधमार्गि ॥ १४ ॥ सर्वसत्वमहानागा
गुल (जयव जयव ॥ ७ ॥ गार्थिगर्मि ॥ श्रीधरसा समस्तयायनकावर्ग महाद्वय शुद्ध्याद
भावक यलक महानानस चववर्ग
वृष समस्तगुलयावृजमर्गि ध्वन्याव
रुविनामलिधधन सर्ववलाहमावि ॥ ७ ॥ सीसावया वृत्तिककाया काया आदिर्न कावर्ग विज्ञाक स

२१

दाकारं आकाशं न विज्ञाक विनामलिधधनवर्ग विज्ञाक अनकवलयासिन डलम मद्रिधीर्विज्ञा ॥
१५ ॥ महाकल्याणवृक्षका महारुदाय
गार्थिगर्ममहाकल्याणवृक्ष सवृययादविज्ञा
दार्क डल्यलियाक ध्वन्यालियलि स
कवभावावथथिगर्मि ॥ १७ ॥ शुलाशुलकालरु समयरु समयवि ॥ सत्वद्विषयकावलका वि

द्वि
७

मक्रिणयकाविदः॥ ०॥ गार्थिगुहर्न शीठकावभव समयमभुलयाकलमव प्रसावभवसमभुलयार्थि
ययाकलमवसमभुमक्रिमाग्रीवियरुडाथर्थिगर्म
शमी॥ २३॥ गुभीगुभलाधमैरु यम
शुरु॥ ०॥ समरुगुलभव समरुधर्म
यासिं मगलववय मरुलकीववय शुरुकलानवक थर्थिगर्मशमी॥ २४॥ मरुसवा मरुसाभा मरु

नल्लुमरुवगिः॥ सक्तावसकगिरुगि यमादशीयोमत्यगि॥ ०॥ मरुगव मरुडवाहनसंयनशुव म
लासाववक मरुआनववक मरुर्मः
धव थर्थिगर्मशमी॥ २५॥ ववलीव
निलवयनासन॥ ०॥ गार्थिगर्मशमी
याग्य समरुयागवगगिहान समरुगवभावकाडावाय समरुयभाकडा॥ २६॥ मिमिभिम्ब

वि
३

मुंजगिवा ऊतिमोडी किविनीमान् यवाग्रीधु यवनीधु यववीवकलीववशा ॥ काशन (भी) कावाठथा
द ऊठदडा संखायवतया किविन यथा थधिठहन दायावखाव दागुवि वरुभाउस
यिठाडाकया थर्थिगुर्मदशी ॥ १५ ॥ म दावनधवामोडी वक्रवावीवताले मममहातया न
यानिय नातकोगा तमायली ॥ १६ ॥ वक्रयालि गर्थिगुर्मदशी धायाई महामहाधर्मस
वववैयवाठ मंशुलीननसयन वक्रवरीयाठ इन्द्रयजिनवर्यविष्ठाकले वववयववसदायहन

१२

ऊतिया वरुधवरयविष्ठाक लोममयावाधिसत्वर्थिगु ॥ १७ ॥ वक्रविष्ठाक लावक्रा वक्रनिमोनमायवान्
मुक्तिमाकाविमाकां गा विमुक्तिभाक कागिव ॥ १८ ॥ गर्थिगुवागीश्वरधायसा वक्रज्ञानवक्र व
क्रनरुयधवरय वक्रावेदनशुचया निवोअयदलाक भाकमाईदागा समरुर्मसावया व
धनभाकनयाठविष्ठाक अतिभाक नूय महाकामलकलानगिलयाक थर्थिगुर्मदशी ॥ १९ ॥
निगा १२ ॥ निवोनसिद्धिनिभाक आथानिवोअमानगा सखदृष्टानकनिष्ठ वेवागामयधीकयशा ॥

निर्वानसमाधियादाडा मरुत्तुययाहवाह मंगल्यदार्थेइइवमरुत्तुययाहवाह वेवागीधववयावधे
 य कयसवववययाह धर्थियमरुत्तुय
 यालसव्वेयायायि शुक्कावीजमभाश
 वृद्धं धर्थिहअधिहधर्कं डयमाकम
 समरुत्तुययाहवाह मंगल्यदार्थेइइवमरुत्तुययाहवाह वेवागीधववयावधे
 ॥ २० ॥ अरुत्तुययाहवाह मंगल्यदार्थेइइवमरुत्तुययाहवाह वेवागीधववयावधे
 वशा ॥ गार्थियमरुत्तुययाहवाह मंगल्यदार्थेइइवमरुत्तुययाहवाह वेवागीधववयावधे
 जीव वृद्धं धर्थिहअधिहधर्कं डयमाकम
 समरुत्तुययाहवाह मंगल्यदार्थेइइवमरुत्तुययाहवाह वेवागीधववयावधे

वजाविमत्ता वीनदाधानिनामयशसुयवद्धाविव दत्ता सव्विहसव्वित्यवशा ॥ अरुत्तुययाहवाह मंगल्यदार्थेइइवमरुत्तुययाहवाह वेवागीधववयावधे
 इनिर्मव यायनलियमरुत्तुय गार्थिय
 हनजात्मा रुक्कविद्धवलेमानसडा
 यवृद्धं धर्थिहअधिहधर्कं डयमाकम
 नानाअरुत्तुययाहवाह मंगल्यदार्थेइइवमरुत्तुययाहवाह वेवागीधववयावधे
 ॥ २१ ॥ अरुत्तुययाहवाह मंगल्यदार्थेइइवमरुत्तुययाहवाह वेवागीधववयावधे
 वशा ॥ गार्थियमरुत्तुययाहवाह मंगल्यदार्थेइइवमरुत्तुययाहवाह वेवागीधववयावधे
 जीव वृद्धं धर्थिहअधिहधर्कं डयमाकम
 समरुत्तुययाहवाह मंगल्यदार्थेइइवमरुत्तुययाहवाह वेवागीधववयावधे

कायकार्जयाक॥ २३ ॥ अनादिनिधनावद्धादिवद्धनिवासयः॥ हानेकवद्धवमया हानमक्रिरुथा
मक॥ ०॥ हवद्धासिगधिगर्मदशी
दिवद्धुल्लमभाकयाधानययान
हानमलिसवयग्रीलधववर्थथा
वदमावद्धावधिसिष्ठा वादिसिद्धायाजिन॥ ०॥ गधिगवद्वागीधवधवसा समरुववनगानुयास्वा

धावसा अनादिवद्धयैदेयावाधियदयाहान अना
लिसमदव धार्थिगहानमवयाडाथाठ निमोवव ३१
ठ॥ २४ ॥ वागीधवामहावादी वादिवात्वादियगवः॥

मिल्व समरुदवलाकर्न वादियायमरुव महामथे॥ वादियायसववनयावाजाव ववनलायसमहा
ववंग महवविष्णु उल्लमधवयवव
अयवयसमथे॥ २॥ ०॥ समरुद
शासुवकवयगि॥ ०॥ गधिगर्मद
उल्लम आयरिठ जीवत्सर्विकनरायनानायाठ सूर्ययवागववर्थी महानजशी॥ २५ ॥ महारिषव

वाकलागनसिद्ध हावागवनजनुववर्थी समरुजग
आयाभाद्य नजामालिसदनेना जीवर्ममयसादीयी
जीधवसा समरुयालियनिडलिसठ महानजवृन
सूर्ययवागववर्थी महानजशी॥ २५ ॥ महारिषव

न
दि

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीनारायणाय नमः ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ अथ श्रीनारायणाय नमः ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ अथ श्रीनारायणाय नमः ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ अथ श्रीनारायणाय नमः ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ अथ श्रीनारायणाय नमः ॥ १० ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ अथ श्रीनारायणाय नमः ॥ १२ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥ अथ श्रीनारायणाय नमः ॥ १४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥ अथ श्रीनारायणाय नमः ॥ १६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥ अथ श्रीनारायणाय नमः ॥ १८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥ अथ श्रीनारायणाय नमः ॥ २० ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २१ ॥ अथ श्रीनारायणाय नमः ॥ २२ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २३ ॥ अथ श्रीनारायणाय नमः ॥ २४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २५ ॥ अथ श्रीनारायणाय नमः ॥ २६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २७ ॥ अथ श्रीनारायणाय नमः ॥ २८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २९ ॥ अथ श्रीनारायणाय नमः ॥ ३० ॥

मंथयन्वचनकथार्थं नक्रगुमधुलसविष्णुक दशदिगययेन आकाशतर्धमधुज्ज्थं डवयाहविष्णुक
 त्वथर्थिद्यर्मज्ञयी ॥ १८ ॥ जगद्गुणकवि
 दृष्टामहाविष्णु ॥ ० ॥ जगत्समावर्त
 वसन्वयधववय वलनययिकयादावृ
 सर्ववृद्धात्मकावधक । सर्ववृद्धामहाथाग सर्ववृद्धकसासन ॥ ० ॥ समरुवृद्धया राजा समरुवृद्धया

ल
ह

साकाव समरुवदया आमनस महायागवयोधववयं गृथार्थिगर्मदशी ॥ ३० ॥ वदवलाकि
धकशी सवेवलाधियध्वन। सवेला
असिधकनाक गार्थिगर्मदशी ॥
विनतदवनायां श्वर गार्थिगर्मदशी
यति ॥ ३१ ॥ सवेवदमनागिह सवेवदमनागिह। सवेवदमनाकाय सवेवदमनागिह ॥ ३२ ॥ सवेमरुवद

३३

आधिकेनडा समरुवदया मनमडा समरुवदया विरुडं दव सवसगिवावदडा थार्थिगर्मदशी ॥ ३१ ॥
वदसुयमनाका वदद्विगलयर
र्थिगर्मदशी धावसा वदयाकजनस
निमवचद्विवागर्मयन नानावसुध
धुका वदयभा रुवशीमान सवेरुहानकासधुका ॥ ३३ ॥ सवेवदवदययैका वदसगीनिधमी
वदययैका वदययैका वदसगीनिधमी

न
क

सनधव वदयागामुस झास्यनकाधमोस यवय दनांयदायाकन डत्यलिकव अखनशीवनलोना
रुर्वधसनाममगीकि गर्थियधायमा समरुवदयागामुदकासी मवशासु॥३४॥विश्वम
याधवाजा वदविश्याधवामदान॥ वदमीधामहाखजा विशुद्धयवमादव॥०॥गर्थिय ३४
यवमश्ववर्मदशीर्ष विश्वसमावयो मायाधववयुस्वातंकरुनांगर्थियवदयागामुधव
वय किष्कियायमकिजडा थर्थियवदहामखजडाडाधववयंथाठ यवमादवधायोविशुद्धयाकनध

उजाखलनमयनदव॥३३॥इखचूदमहायान॥वदधमीमहायध॥गिनजीयजगंसीये वदवदिय
थाथविक॥०॥रुवंगर्थियमर्मदशीअ नकद॥खभावका वदकिधकनसदक महायानकि
यायालूधव जिनरुथागनयामय मरुगंजीव वदिवक रुथनाधया शुचगाहानदय
मवर्ष॥३६॥सर्वयावमितायवि स विरुमिविरुयन॥विशुद्धधमनेवात्मा मयुशानदुय
त्यरु॥०॥वदरुमियवन दगिरुमिनरुयवयंथाठ अनकश्रुहानभावकाडा यवमहानदाहानचु

मायाविप्रार्थनिमोलयादयकागयाकर्त्तृधर्तियर्मदशी॥३॥मायाजालमहासाग सर्वेनकाधियः
 व।ज।यवकयथका निगयज्ञानः कायधृक्॥०॥रुवकायासिगर्धियर्मदशी मायाजा
 लयादिनिसमस्तुनया अधियनिः रुवगर्धियथावसा ज।यज्ञानमविप्रधनवयथादः
 वकासनयाडा विज्ञाक॥३॥सम रुदसमन्त्रिष्टितिगरोजगवृनि।सर्वेवद्वमहाग
 रीविप्रनिमोलयवधृक्॥०॥गर्धियर्मदशी समस्तुनयाक डरुमयिरुयथिआदिन जगती

सार्वधवयंनवर्त्त धसमस्तुजिनधायागगायवयथायवक र्मावदयकया वकधवलयः
 याद॥३॥सर्वेसावसरावा।गु सर्व सावधृक्॥०॥गर्धियर्त्तुध्वनधमंशः
 माननवाठ अनकाधर्म्यासराडा र्त्तधर्मसावयादु॥४॥वकदासामहायाज्ञा सधर्मा
 ववाधधृक्।सर्वधर्मासिममया रुगानुमनिवयधी॥०॥गर्धियर्त्तुकाकावजागदवयिधु अनका

ल
न

धर्मधायनायाक अनूकधर्मयाकालरुगयालियायत्रमगुत्रमनिर्बुद्धयर्थिगमंक्षयी ४५॥ किमि
मिसयसंनत्मा समुक्तवद्ववाधिका यत्यकसर्ववद्वानां हानाविसयसुनौत्मा संशयवद्व
शास्त्रवक्ष ॥॥ रुनेगर्थिसुयासिदक् वाधयादयादयत्रमादर्थमहाहानवाक समरुवद्व ३६
आहुवन यत्यकयादयाद हानया नजनआकल्यमानयादयाद धर्थिगमंक्षयी ॥॥ ४६
॥ यत्यवक्षमाहानमाआहवत्ताविसरु ॥॥ यत्यवक्षमाहानमाआहवत्ताविसरु ॥॥ ४७

धकयवः सर्वोयायविष्णोधकः सर्वसत्त्वहमाना (था) सर्वसत्त्वहभावकः ॥॥ गर्थिगमंक्षयी दिगकायेसा
धवय समरुयासिदाक मरिदयदार्थ दाकनिष्णययादभावक समरुयासियासिनां डरुम
स्थम समरुसत्त्वयालिया रुयभावक ॥॥ ४८॥ क्षमसंगामसुपेक्ष अहानवियदायदाधोक्ष
वधवशीमान विवविरुत्सवृयधुका ॥॥ ४९॥ मसावयादः स्वदाकदान भगुडासंगामयायसठवम
दायवाकमी अगिसजिक रुनेगर्थिग आहानी भगुया अरुकावभावक वद्वियायराडाधवाधमावधवव

ल
३

युष्मीस्रसावनु यीववक सयंकवयधवव वावेकाक थर्थियमईशी ॥ १ ॥ वाकदसुभगादय १ यदनिद
यमरुनभयीमचुकरुजासागा मगस
धायसा समद्विकावाकागथास नाना
यवियुक्षयादाडा नृययादविजाका
म्वलाकानयादांगुष्ठनखसिक्त ॥ ० ॥ रुवकयासि रुवगर्थियमईशी युधिदिस सकसद्यायवयंकवावकव

३१

युधिदिसमुसमद्यावकंवाह नयागाकनवदसथायांस यवकस झालयालसिसरुयावकसं ॥ ४ ॥ एका
थोदयधमार्थयवमाथाविनधव
पूगांधमोयातं अदिमाधयाधमोया
दवमनयासिद्धायादिनं वयधववयं
अग्रायसावार्थवति धूनागावतिवगधी ॥ साववागावतिवय रुवकयमकावति ॥ ० ॥ गर्थियमईशी

३६

समस्तकावसंलय शुद्धात्ममाधिसवय ससावयवगमन अयामवन आदिनकावकावयांठ सगुडिशा
वधमोसमहावय॥६॥ शुद्धशुद्धावद वनअवयवकाकेसयग॥ वावाकेमलुसद्धाया महावा
मानवयुरुभा॥ गार्थिशुद्धवत्रिगका य सुवडर्थिशुद्धाया कठिवाकयवायावदमाडाडर्थी ३६
कोय रुवन्नकववसुयर्थि झाद लक्ष्मी न संयनकवथर्थिशुद्धाया ॥ १॥ शुद्धनीलायसंवि
था महानीलकायधी॥ महामलिमयय॥ वदनीमोस रुवन॥ ०॥ गार्थिशुद्धनीलथीठवमुद्रा

कवमुनगियावविज्ञाक रुवन्ननीलडाडर्थिठठकाकलिसंन ॥ कायाठधववय रुवन्नमलिकया
नलया कजन ॥ कायाठविज्ञाक आरुवसन रुयवयाडां शुद्धाया ॥ ६॥ लाकधाडः
अकारंया अक्षियादमहाकम॥ महा सुनिधवस्तु वदु॥ सुनिधविज्ञाकथर्थि समाधिया
न॥ ०॥ गार्थिशुद्धाया अविज्ञादिन लाकधाडयासिसमस्तका कयायाक अक्षिवलनसं
यनकाव वनसधववयकवज्ञानया कलधववय मेणीकवला आदिनयाकावज्ञाननजायवय आनया

समाधिर्व॥ ८॥ वाङ्मंगकसमाभाद तथागकगुलादधिः अङ्गमात्रेनयविरुसमासं वदमात्रेविगु
 ॥ ०॥ वाधिध्यायाननधननकाकदा न अङ्गमात्रागयालीसव वदयायवमार्थज्ञानयान
 सवार्थिगर्मदशी॥ १०॥ सर्वसत्वम हासीगा निःसं (गागमनाकम) सर्वसत्वमनाजाकम ३०
 सर्वसत्वमनाजवशा ॥ गार्थिगर्मदः शी समस्त्यालियनिसमंग रुचगार्थिगवृयध्यासुनं
 सगमद४निसंग आकासथदगा समस्तुडिवाजनुयामनसजायवय रुचमनयार्थिग वगनयसंय

दवत्वं॥ ११॥ सर्वसत्वंदियाथेह सर्वसत्वमनाकस। र्यवक्तव्यार्थकवक्तुः र्यवक्तव्यविशुद्धध्वनः॥ ०॥ समस्त
 यासियाविरुसवाडाडा दुनवाकान आदिन र्यवक्तुवियमयकनादयकाडा युधिविधाड
 याकनि अयधाडमावनी नकाधाडवा कयेसी वायधाडयदनुदध्वनी आकासधाडयदका
 वनी धदागुडिर्ध्यायानत्वंसव धदा गुनियाविशुद्धिभव धवनयाडायाद थार्थिगर्मदशी
 ॥ १२॥ सर्वनियोनकाटिम् सर्वनियोनकाविदश सर्वनियोनकागम् सर्वनियोनदशकश॥ ०॥ गार्थिगम

क
०

मरुनियो नखावक यानियो नवयो आह वनयाह अनकनियो नया स्वभव नानानियो प्रसभव सम-
मडयदशविशरुडा धर्धिममंरुशी ॥१३॥ द्वादशांगारुवा स्वगा द्वादशांका वयुहधुका व
कुमलनया काया अमलना वधधुका ॥
मलुनया रुयंरुडा द्वादशांका वसु
यया आकाव विवक आदिन आका लनवन धर्धिममंरुशी ॥१४॥ द्वादशांका वसु यथा द्वादशांका वन

४०

स्वविग विंशत्याका वसंवाधि विवह सर्ववित्य वधो धर्धिममंरुशी द्वादशरुयया आका वमलधवययाडा
आय सूर्यदवगा आउग कल्यान संयं ॥
नेलाक यारु रुविदवले मानस वन ॥
कनारिममयः सर्वविलेक सार्थविक
मीसयाह दयक सीमान धवन मीरुधक कनिक विलेध वयंयाह धर्धिममंरुशी ॥१५॥ नाना यानन

क
७

आयाय जगदर्थविकावकायानिगिनियोग नवकयानरुलसिगशा ०॥ नानाया नधाया ॥ कयाडयाय
विवावसडा जगगसंसावयाडयाय विनवययावकायवका मकायानसंवठ नुगुडियाठ
रुलविडा थर्थिगमंइयी ॥ १० ॥ कया
मीले आगका नावनि ४५ कशा ०॥ ना
समूदया याववठ आगइगुगिहाहन वनसवाठ थर्थिगमंइयी ॥ १० ॥ कयायकशसिकश सयदिनस

४६

वासनयलायायमहाकवला अमायजगदर्थकशा ०॥ नानाकशयागिनं कडाकशविडा कवकड वका
लआसनयाक लानयाडयायकवला
क थर्थिगमंइयी ॥ १० ॥ सर्वसंज्ञाय
य सर्वसत्वमनागति ॥ ०॥ समकला
गमनमानरावयककष कयायमजिडा ॥ १० ॥ सर्वसत्वमनानुसू कविके समतांगकशा सर्वसत्वमनाला

क
डि

दि सर्वसत्त्वमनावति॥ ०॥ समस्तसंमनसा सदाह समस्त्यालिरुतडाडगियादवाह समस्तव्यात आ-
नद्विव समस्तसीसावम सुखविश्ववि
वेगान्निविदजिन निमदियमतिग्यध
संसंसावयानानायायाव कमन काउत
क थर्थियमईशी सत्वगुलयादिनं स्वगुलियुलयाड आत्मायागं॥ १२॥ ययक्तध्याथगिकाव सर्वकला

आकथयिष्यमिदं श्री॥ २५॥ सिद्धान्नाविजभायगुणस
४ मन्त्रोभिमन्त्रिगुणात्मकः ॥ ॥ सिद्धोन्नतज्ञानयासत्रयं सम ४२
यकं चाह द्रव्यार्थसंमत्तात्तावमाद सगुणिवर्मविज्ञ

विश्रावका। एककला। रिमवाधि। सर्वद्वन्द्वशावधुक॥ ०॥ युधिर्विक्रध्यादिनंदागुलिरुगकध स्वगुलि
 वरुस्मानादिनया कलौदयक सदा
 यास्वशावधवयम थर्थियमंदशी॥
 लीयवृयसंदशी वलकठमदामनिध
 लधजस खाठमदामनिनभा शावस्यावाठ थर्थियमंदशी॥ २४॥ समकालानगाथा वडुविगकि॥ ०॥ स

काससावनानसंयन शुक्रयवभभवमद समरुवद्व
२३ ॥ अंगकायकाया ॥ कायकटिविशावका ॥ अ
॥ काटिचिभनीवदयकाडा ॥ अनकायदयकाडा व
वमंशयी ॥ २४ ॥ समकासनगाथा ॥ वडुचिगकि ॥ ० ॥ स

मगाहानगाथा (आ) कनियधय ॥ ० ॥ सर्वे वदन्वाधया वदन्वाधिविनिर्लेख्य अनर्ककथा मनुयानि म
 हा मनुक वरुय ॥ ० ॥ समस्त वदन्वाधया वदन्वाधिविनिर्लेख्य अनर्ककथा मनुयानि म
 दडा आश्वर मद्रुगुवसुय सुगुलि मनुयाक वत धर्षियमंरुयी ॥ ० ॥ सर्वे मनायेजे ४३
 नका महाविद्वन्महाकल धर्षियादया महाशुन्य विद्वन्मुन्यवतुका ॥ ० ॥ आश्वर विद्वमा
 गाधनय नमावद्वायदाय र्यादाकव आश्वर धर्षियमंरुयी विद्वमद्रुगुवसुय

उदरीधयाध अययवनायधाय ॥ २ ॥ सर्वो कालनिवाकाल धाउभाधविर्वधुका अकवकावभागीक
 वदथेध्यानकाठिधुका ॥ ० ॥ सर्वे आका समद्र जिमवगुठिया वरुयानवद्वि धर्षियमंरुयी
 न विद्वन्महाकल धर्षियादया महाशुन्य विद्वन्मुन्यवतुका धर्षियमंरुयी
 मंरुयी धर्षियमंरुयी महाकल धर्षियादया महाशुन्य विद्वन्मुन्यवतुका धर्षियमंरुयी
 धर्षियमंरुयी महाकल धर्षियादया महाशुन्य विद्वन्मुन्यवतुका धर्षियमंरुयी ॥ ३ ॥ सर्वे ध्यानकाठिधुका सर्व
 धर्षियमंरुयी महाकल धर्षियादया महाशुन्य विद्वन्मुन्यवतुका धर्षियमंरुयी ॥ ० ॥ समस्त ध्यानकाठिधुका समाधिकलया

क
य

गामभय समाधिधरयय समरु नानासुखया सायु मरु कवयावविष्काक समरु समाधिया राजा धर्थि
यमं दधी ॥ ४॥ निमोन कायका या
वदगदधेयु ॥ ०॥ गर्थिगमं दधी
गयादिनं वदुदेमरुवनदयक धर्थि
शा सवदादानवाधियधममवदुसवगुव यमथेयमथेधरभा ॥ गर्थिगधमिधा रुधमं दधी धाया

गु वदनिमोन वंगधुका दधीदियिधनिमोना यथा
नीमोन गरीवदयक वदुदेया निमोनयाक दधीदि
यससावयाडयका नीमं दधीती ॥ ५॥ दधानिदवदव

४४

अं समरुदवयासिनंदव समरुदवया राजा वृत्तं धद्वं संरुदानं डायप्रधियति धर्थियदुनंस
मरुदवयास्वामी समरुदवयागु
डलीरुवका नाव नकभासाजग
॥ ०॥ सीसावदागठाव दधीमनयाया
मिथ्यायाठावयाय दधीदिगलाक संयकागियाठाडा धमेदानयगियाठयाठ धर्थिगमं दधी ॥ १॥

वयथमनतं दधं धर्याव धकगमया वृत्तं ॥ ६॥
रुवधयथागिदधीदि साक ४ धमोदानयगिमदान
वंदय समरुजगक सीसावयागुव ४ जगक संसावं

क
द

मेवीसंनदसंनदः कवलाधर्मधर्मिणा यज्ञावधनवीन क्रमज्ञानावधनदध ॥ गर्थियमंडा
जी समरुडा मिकरावयाक धमि
दियाडा यज्ञावधनदडा धनव
ममयावकं वादक धर्मियमंडा
वमावमजगा संवदालाक आयका ॥ वाकाजादिनवठमोवया मं जयवयावधाद मंडापीयानदव

नदागडास नाकालकडावक वलाकगडा कववने
वाधवयया कगगडादः सडाइ देयाडाडा संगी
॥ ८ ॥ मावाविमा वजिबीव वडमोवरयाककगाम

४३

गर्थिय धनमावया रुयं मावक समरुमावया वरमावकाडा ज्ञानधनवयाववाय ॥ वंघयका
रिवाद्यश्च माननीयश्च निखराज
मंडापी समरुस्यनं नमस्कावयाद
मानयायमंध सवत्रयमंध थधि
मि आमाययंक विकम वेवियः थिगिययक यठरिज्ञा यठनसृति ॥ गर्थियमंडापीधनसा

वनीथारुनीमाशा नमः स्यावमायुवशा ॥ गर्थिय
कया मं दनं यजायादकया मंध रुमवधजा मंध
मयवमगुवृत्तं मंडापीरुनं ॥ १० ॥ वेलाकककमाग
॥ गर्थियमंडापीधनसा

क
न

किलाकर्म्मसम्पन्नविज्ञाक रुचं गथिगुमे आकासत्वं आयवयं विज्ञाक स्वभावविद्यानसंज्ञक डलेमकपव
न मदायविक यउरिहृयुधिविज्ञा
११॥ वाधिमवमदासव लाकागिका
लाकनमयमजीव महकव वाधिधा
कव समाधिधयवयाव शुच्यनाध्वा नयाहथाह थर्थियमंजुशी॥१२॥ आत्माविद्ययवित्तवे सवोयोश्च

४६

गुमंगला सवोयसामनिकान रुथाह नाधिययव॥ ११॥ गर्थियमंजुशी थव आत्मायय आत्माभव ड४
स्वमववदनाभव रुचं समरुसाकस
र्थियधसं डयमानमजीव डयमाह
निलिष्ट वउमदाथदगक १॥ ययया
याकर्म्म महाडलेमथिष्टमं ध रुचं महासुदाशदिन वउमदासवमं डयदसविमं रुचं आवक यय

४७

क
श्रु

क मरुत्यानमं डयदधववयं कर्मयाकर्मध्वं वंजगकसंसावनंयुजायायआश्वं धर्म मंडशीतं॥
५४॥ यवमाघविश्वद्वशी तिलाकृष्ण
म॥ गर्थियमदशी यवमार्थेनम
द्वं समरुसंयगीवियद्व अमिमन
नश्व मंडशीतं॥ ५५॥ कृत्यानमं नमनगाथा॥ यं वद॥ ॥ कृत्यानमं नमनगाथा॥ कजिमहाय॥

४१

॥ नमस्तु वदवजाय रुक्काठिनमाशुका नमस्तु अचामगरे वदवाधिनमाशुका ॥ गर्थियमंडशी
वददानयसादविव वदयानं कृष्णया
रुक्कात्मायार्क नमस्तु अचामगरे
नमविद्वयार्क नमस्तु ॥ ५६॥ वद
वदभादनमानम॥ गर्थियमंडशी वदवागवाययंयुजा नमस्तु वदयामवीवधववयुर्क नमः

क
७

मन्त्राव वदया मेरी मन्त्रायीति या कर्म नमस्काव वदया आनन्दविवर्द्धन नमस्काव १॥ वदस्मिन्निनभासु
यं वददा संनमानम। वदवाकनमस्तु
यागं नमस्काव हाननहलाडायादक
रावनानवाहक यागं नमस्काव ३
नमस्तुयं नमस्तु हानन संरुव ॥ ॥ (गावनं मजा यवयुक्त यागं नमस्काव संमस्तु हानन मरीवधवययुक्त या

४७

गं नमस्काव आकाश मजा यवयुक्त यागं नमस्काव समस्त हानन संयन रुव यागं नमस्काव ५॥ मायाजा
ननभासुयं नमस्तु वदनाटक ॥ नम
नुभवस्तु यागं नमस्काव हानन नृत्त
धवययथाहक यागं नमस्काव समस्त
यं यतथागग हानन मुनिगाथा ४ यत्र ॥ ॥ ६ सर्वधर्मा रावराव विष्णु वद अंजा ४ अं अय कति य विष्णु

क
७

द्वाष्ट्रम्याय इत सर्वे गथा गन हान काय मंडली य विमुद्धी नाम या दाय नि अया ४६ सर्वे गथा गन हय रु
वरुन डंकी र गवा हान मरुति वागीध
हान ग रंजा ॥ ० ॥ मरुति वागीध ॥ ४६ का
वया ह धेना म संगीति धाय अया नि
गति त्वं अक या य ४६ का धाय मंडली या गति व स र्ग म ध्या या नाल त्वं या क या द वा ह हान मरुति न वागी

४२

अथ व व न या अधि यति म व स गि या म स या ह ह म म रु ध मा स व य ग ग सा रं वा धा य आ का ग र्थ नि मा
ल ध मा धा ह हान आ का ग र्थ नि व र्ण
ह हान ग रंजा ॥ ० ॥ मरुति वागीध ॥ ४६ का
म क ह द वा व व द या लि ह य मान वा या
या ग ॥ ० ॥ अथ व व द वि धे ना धे ४६ का धे व द या लि सि । म मा ह का ध वा जाने या वा व र्थ नि दं व र्थ ना

५०

ध्वजध्वजं भवदासं भाद्रयानं गुह्यसा राजा वदयासि यरुनिन काधवाजासक्तिन तदधव्यादाः
 डा सुवीवं समरुच्यनं वचनधिरया ॥ २ ॥ अनुभादा मरुनार्थं गाधवाधायुकायितं कृता
 साकमदानार्थं सम्राजं धियायक ॥ ० ॥ गधवदयासि आदि सन ज्ञायाधवासा रुनाथ ॥ ३ ॥
 भाद्रमनिजयनिसकयं रुवमानवा ॥ १ ॥ धनधनं तदधव श्रीभाद्रमनि ध्रुववनइयि
 वजयनिस रुवकार्यं नूनयात्वं गधिं गृध्रार्थं भावसा धर्जं गतसीसावया डरुम डयकावन संवाधीका

नवायदवगुत्रिकार्यध्वं नूनका ॥ ३ ॥ जगन्नाथनाथसा विविमकि रुसकादिन। एथासा (गोविं
 शुद्धायं मायाकासनयादिग ॥ ० ॥ ध
 धमनायाककन भाद्रवाक कल्यान।
 जानाक रुसकासा गथासध्व ॥ ४ ॥ ग
 धयाक य ससाक वदरायिन ॥ ० ॥ गधिं रुधनामसंगी कियारु अगि गंरिवथा रुमयमद डरु

६
७

मन्त्रज्ञानस्य गन्धर्व्ये लावण्यादिकथाय धनमन्त्रासम्भवा समस्तगन्धर्वगन्धर्व्ये धनडाहर्थिगन्धर्व्ये सम्रा
जं वदन्तीति मन्त्रिण्येन ज्ञास्यं आद
॥ ० ॥ इत्यस्य सदावगाथायाः कथायाः ॥ ०
४ यागिसमाधिजालयवतारुगन्धर्व
नसत्तस्य द्वयवमार्थे नामसंगीकियत्रिसमाय ॥ ० ॥ धनकडलेसमायाजालकसुसज्ञायाजिमयदो

३९

मन्त्रज्ञानस्य मन्त्रायागन्धर्वस्योद मन्त्रव्यवमथागमथाह समाधिजालयवतारुसधिकाया श्रीभाऊमानस्य
ज्ञाया मन्त्रश्रीयाज्ञानमन्त्रीव धनवयं
थधमोददुयरावा रुद्रमन्त्राया
॥ ० ॥ मन्त्रीकायमन्त्रयमज्ञानमन्त्राधी
मन्त्राजाधिराजविदयवृजमन्त्रि जकलराजवकाधिश्वर श्रीश्रीराजराजवृ कविवृजययनायमल

रु
दि

यत्नमरुद्रासकयसुधाकलदवयविजयवाङ्म॥ ०॥ दानयुति विकनमंगुठिकाय मंरुथीनकमरु
विदाय जावधुयुदावसि न धर्मोआ
कुम विश्वकल्मावगावदस्यिधाठावव
मयागुलिसासुदयकाङ्गवा॥ ७॥ तस्य
मानससिद्धिदिलमु॥ ३॥ अथाभार्गु मथाकुरुलंघायवनि॥ ०॥ अथासुसम्बन्धे ॥ अथाहमांसशुक्ल

३१

यत्नमरुद्रासकयसुधाकलदवयविजयवाङ्म॥ ०॥ दानयुति विकनमंगुठिकाय मंरुथीनकमरु
विदाय जावधुयुदावसि न धर्मोआ
कुम विश्वकल्मावगावदस्यिधाठावव
मयागुलिसासुदयकाङ्गवा॥ ७॥ तस्य
मानससिद्धिदिलमु॥ ३॥ अथाभार्गु मथाकुरुलंघायवनि॥ ०॥ अथासुसम्बन्धे ॥ अथाहमांसशुक्ल

श्री गणेशाय नमः

५५१

क
यो नाम संगति वृक्ष गहले यध लाः सैले थादा होलाः संपु री भा
या टिका भय को दूरा
जति को धर्म वृक्ष ने आ
क क सैले लो भन गहन
ह भनि स न १५० साव ता सुदि १० हो ज ३ सा बो नि वहुन स आर
गहि आ फ ना पुर्वा जा नि ह्या हा २ गरि राया को द न स या ठ ग

मंजुश्री
पान को
हो न को
मंजुश्री
पान को
हो न को

मंजुश्री
पान को
हो न को
मंजुश्री
पान को
हो न को

आशा भोंसले

541

ASHA ARCHIVES

